सम्पूर्ण स्वास्थ्य विकास की चाबी है, सकारात्मक सोच-दादी रतनमोहिनी

आबू रोड, 24 अप्रैल, निसं। भागदौड़ की जिन्दगी में आज अनेक प्रकार की बीमारियों का जन्म हो रहा है। अनेक शारीरिक व्याधियों की जड़ का कारण है मानसिक प्रदूषण है। यदि मनुष्य को सम्पूर्ण स्वास्थ्य का विकास करना है तो उसे सकारात्मक सोच को अपने जीवन का अंग बनाना चाहिए। उक्त उदगार ब्रह्माकुमारीज संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने व्यक्त किये। वे ब्रह्माकुमारीज शांतिवन में मेडिकल प्रभाग द्वारा माइंड बाडी मेडिसीन विषय पर आयोजित चिकित्सको के सम्मेलन में देश भर से आये चिकित्सकों को सम्बोधित कर रही थी। इस महासम्मेलन में 1500 चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोग भाग ले रहे हैं।

आगे उन्होंने कहा कि आज कई बीमारियां चिकित्सकों के लिए चुनौती बनी हुई है। यदि गहराई से देखा जाये तो इसकी जड़ मनुष्य की सोच तथा आंतरिक स्थिति का नकारात्मक होना है। प्राचीन काल में भारत देश में आध्यात्मिकता होने के कारण लोगों में व्याधियां कम होती थी। परन्तु जैसे जैसे आध्यात्मिकता लुप्त होती गयी वैसे-वैसे नयी-नयी बीमारियों का जन्म होता गया। आज पुनः प्राचीन पद्यति और सकारात्मक सोच को अपने जीवन में महत्वपूर्ण स्थान देना होगा। राजयोग सकारात्मक शक्ति को बढ़ावा देता है। इसलिए राजयोग को जीवन का अंग बनाना चाहिए।

बी0 एस0 ई0 एस0 हास्पीटल मुम्बई के चिकित्सा निदेशक तथा कैन्सर सर्जन विशेषज्ञ डा0 अशोक आर0 मेहता ने कहा कि आज वैज्ञानिक और चिकित्सा जगत भी मनुष्य की कार्यशैली को सकारात्मक बनाने पर जोर दिया है। हमारी जीवनशैली तथा दिनचर्या हमारी अनेक बीमारियों की जड़ है। बीमारियां तभी हमारे उपर असरकारक होती है जब हमारे अन्दर रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है। इसके लिए सकारात्मकता की कमी ज्यादा जिम्मेदार होती है। रोगों से लड़ने की क्षमता तब ज्यादा बढ़ जाती है जब हमारी दृढ़ इच्छा शक्ति मजबूत हो।

ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा ब्र0 कु0 मोहिनी ने शाकाहार को अपनाने की सलाह देते हुए कहा कि इससे हमारे अन्दर कार्य करने की क्षमता तथा आध्यात्मिकता को आत्मसात करने की क्षमता बढ़ जाती है। गॉव से लेकर शहर तक के लोगों को अपने जीवन को बदलने का प्रयास करना चाहिए।

गलोबल हास्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर के निदेशक डा0 प्रताप मिडढा ने कहा कि यह हमारी विशेषज्ञ उपलब्धि है कि राजयोग, व्यायाम, डाईट तथा सकारात्मक सोच से हार्ट अटैक जैसी बीमारियों पर नियंत्रण करने में सफलता मिली है। इससे चिकित्सा जगत में एक कौतूहल पैदा हुआ है। इसके कई उदाहरण है जो गम्भीर बीमारियों के होने के बावजूद भी लोग इस पद्यति से बेहतर लाईफ जी रहे हैं।

ब्र0 कु0 मुन्नी ने भी सम्मेलन में आये चिकित्साकर्मियों का हार्दिक स्वागत किया तथा कार्यक्रम का संचालन मेडिकल प्रभाग की आयोजक सचिव डा0 गिरीश पटेल ने मंच का संचालन किया। मेडिकल प्रभाग के कार्यकारी सचिव ने आये अतिथियों का स्वागत किया। इस सम्मेलन में भारत तथा नेपाल से आये चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े मेडिकल ऑफिसर, मेडिकल निदेशक, मेडिकल अधीक्षक, चिकित्सा अधीक्षक, नर्स, एमबीबीएस डा0 भाग ले रहे हैं। यह कार्यक्रम तीन दिन तक चलेगा।

फोटो, 24एबीआरओपी, 1, 2, 3, चिकित्सकों के सम्मेलन का दीप जलाकर उदघाटन करते अतिथि तथा सम्मेलन में भाग लेने आये देशभर के चिकित्सक।